Securing Nutrition, Enhancing Resilience (SENU) - India

उद्देश्य

भारत-जर्मन योजना सेनु (पोषणम), जर्मन आर्थिक सहयोग और विकास मंत्रालय (बीएमजेड) द्वारा संचालित वैश्विक- विशेष पहल **'One world-No hunger'** का हिस्सा है। भारत के अलावा, यह योजना विश्व के नौ और देशों में क्रियानवित है।

उद्देश्य: भारत के मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में (2015-2025) वंचित वर्ग के समुदायों से

424,000
15-49 उम्र की महिलाएं, गर्भवती और धात्री महिलाएं

86,000
कम उम्र के बच्चे (6-23 महीने)

की पोषण स्थिति में सुधार करना

हम क्या करते हैं?

पोषण-केन्द्रित एकीकृत दृष्टिकोण के रूप में, समुदाय स्तर पर पोषण शिक्षा के साथ बहु-क्षेत्रीय सामुदायिक पोषणवाड़ी पहल व् पोषण केन्द्रित सूक्ष्म नियोजन प्रक्रिया का क्रियान्वयन किया जा रहा है | पोषण शिक्षा, सहभागी सीख एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया **(N-PLA)** सामाजिक व्यवहार परिवर्तन पर आधारित है, जिसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा महिलाओं व् कम उम्र के बच्चों की आहारीय विविधता में वृद्धि के लिए संचालित किया जा रहा है|

वर्ष भर पौष्टिक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए महिला- स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक पोषणवाड़ी स्थापित करने हेतु सहायता प्रदान की जा रही है |

पोषण सम्बंधित शास्किये विधि को सशक्त बनाने के लिए, सेनु द्वारा **पोषण-केन्द्रित एकीकृत दृष्टिकोण** को योजना के सहायक भागीदारो के साथ संस्थागत किया | इस गतिविधि द्वारा स्थानीय खाद्य प्रणालियों में प्रभावी योगदान दिया जा रहा है|

स्थान

श्योपुर, छतरपुर, बडवानी और खंडवा जिले **मध्य प्रदेश**, भारत |

नंदुरबार और वशिम जिले, **महाराष्ट्र**, भारत|

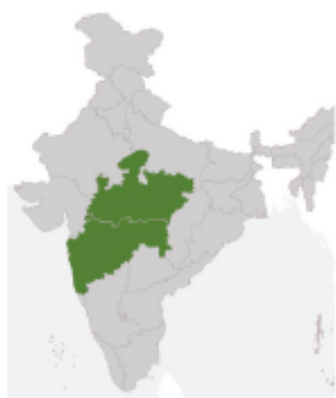

पोषण-केन्द्रित एकीकृत दृष्टिकोण

पोषण शिक्षा के माध्यम से सामाजिक व्यवहार परिवर्तन (सहभागी सीख एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया)	सामुदायिक पोषणवाड़ी / पोषण वाटिका और पोषण केन्द्रित सूक्ष्म नियोजन प्रक्रिया
पोषण और स्वच्छता सम्बंधित जानकारी में वृद्धि	पौष्टिक भोजन की साल भर उपलब्धता
लक्ष्य	
बेहतर पोषण व् स्वच्छता की आदतों में बढ़ावा	कृषि-पारिस्थिति आधारित कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना
व्यवस्थित क्षमता विकास, सामाजिक व्यवहार परिवर्तन, तकनीकी नवाचार, साक्ष्य प्रमाण	
पोषण एक समुदाय और परिवार की जिम्मेदारी, आहारीय विविधता में वृद्धि	

प्रभावी अभ्यास एवं प्रक्रियाएँ

पोषण सहभागी सीख एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पोषण और स्वच्छता आधारित प्रयास एवं शिक्षा: मध्य प्रदेश के श्योपुर और छतरपुर जिलों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं और 6-23 माह के बच्चों की आहार विविधता/पोषण स्थिति में सुधार करने के लिए सहभागी सीख एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया से पोषण शिक्षा दी जा रही है |

Scan the code

सामुदायिक पोषण वाटिका

कार्यक्रम ने छतरपुर और श्योपुर जिलों में सामुदायिक भूमि पर स्वयं सहायता समूहों की 255 महिलाओं के साथ 20 सामुदायिक पोषणवाडियों का संचालन किया, जिससे की वर्ष भर विभिन्न पौष्टिक खादय पदार्थों की उपलब्धता और पहुंच में सुधार हो और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

Scan the code

ई- लर्निंग प्रशिक्षण मंच

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के व्यवस्थित क्षमता वृद्धि के लिए, मध्य प्रदेश में डीडब्ल्यूसीडी के सहयोग से कार्यक्रम ने एक नया और प्रभावी ई-लर्निंग प्रशिक्षण मंच विकसित किया है। इसका उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और उनके पर्यवेक्षकों के पोषण-संबंधी विषयों पर परामर्श, कौशल और ज्ञान में सुधार करना है।

Scan the code

Published by Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

Registered Offices: Bonn and Eschborn
Securing Nutrition, Enhancing Resilience (SENU) Project
Safdarjung Enclave, A-2/18, New Delhi – 110029
T: +91 11 4949 5353, F: +91 11 4949 5391 | www.giz.de/india
https://snrd-asia.org/securing-nutrition-enhancing-resilience-india/

Responsible: Ms Susanne Milcher, Project Director, SENU India, GIZ

Photo Credits: © GIZ/SENU

Published by February 2022

GIZ is responsible for the content of this publication

On behalf of German Federal Ministry for Economic Cooperation and Development (BMZ)